झारखण्ड के प्रत्येक जिलों में परिवहन विभाग के द्वारा रोड सेफ्टी सेल पी आई यू विंग का सड़क सुरक्षा परियोजना के अंतर्गत जुलाई 2017 में स्थापित किया गया था जिसका मुख्य उद्देश्य वर्ष 2020 तक सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ते मामले और उनसे हो रही मौते को 50 फीसदी तक कम करना था। जिसमें वर्ष 2017 में **SBC Export ltd** आउट सोंसिंग कम्पनी के द्वारा 72 कर्मियों को कार्यरत किया गया थां बाद में पी.आई.यू. कर्मियों द्वारा पैसे लेन–देन कि बात बार–बार विभाग और कम्पनी के पास आते रहें। विभाग के द्वारा चेतावनी देने के बावजुद कर्मियों का भ्रष्टाचार बढ़ता रहा। ज्ञात हो कि कुछ महीने पहले घुस लेते चतरा जिले के एक कर्मि को पकड़ा गया था और बाद में विभाग द्वारा निकाल दिया गया था उसके बाद विभाग ने उनकी सेवा अवधी 30 जुन को समाप्त हो रही थी जिसे विस्तार ना करने का निर्णय लिया गया । जिसके उपरान्त कर्मियों के द्वारा मंत्री आवास एव्रं विभागे में जाकर हंगामा किया गया।